शहर का इकलौता स्टेडियम बदहाली के कगार पर

राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न का सूरते-हाल, जगह-जगह गड्ढे, घास गायब, आये दिन खिलाड़ी हो रहे चोटिल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 अप्रैल। जिला मुख्यालय बैढ़न स्थित शहर का इकलौता राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बदहाली के कगार पर पहुंच गया है। आलम यह है कि स्टेडियम अव्यवस्थाओं का शिकार होते हुये अपनी ही दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है।

दरअसल जिला मुख्यालय में स्थित शहर का इकलौता स्टेडियम राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम अपनी दुर्दशा को लेकर आंसू बहा रहा है। करीब एक दशक से इस स्टेडियम का कोई खोजखबर नही ले रहा है। जबकि स्टेडियम का रख-रखाव नगर पालिक निगम सिंगरौली की जिम्मे है। परंतु एक दशक के अधिक समय से नगर निगम स्टेडियम पर कोई खर्च नही कर रहा है। जिसके चलते स्टेडियम का मैदान गड्ढों में तब्दील हो गया है। स्टेडियम के अंदर मैदान में इतने गड्ढे हो गये हैं कि उनकी गिनती करने के लिए काफी समय देना पड़ेगा। वहीं स्टेडियम में एक दशक पूर्व घास लगाई गई थी, अधिकांश घास गायब है, जिसके चलते आउट डोर खेल फुटबॉल, क्रिकेट खेल पाना खिलाड़ियों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है। यहां बताते चले कि इस इकलौते स्टेडियम में सरकारी आयोजन गणतंत्र एवं स्वतंत्रता दिवस के अलावा अन्य कार्यक्रम यही आयोजित किये जाते हैं और टेंट लगाने के दौरान इतने गड्ढे कर दिये जाते हैं कि उसको बाद में ठीकठाक से भरते तक नही और यही गड्ढे खेल प्रेमियों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहे हैं। यहां के खेल प्रेमी बताते हैं कि खेल मैदान की न तो साफ-सफाई की जाती है और कई जगह नालियां खुली हुई हैं। जिससे दौड़ लगाते वक्त नालियों में गिरने का डर बना रहता है। पूर्व में ऐसे कई हादसे भी हो चुके हैं। खिलाड़ियों ने इस समस्या के बारे में कई बार नगर निगम के अधिकारियों के साथ-साथ नेताओं का भी ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है, बल्कि खेल मैदान की स्थिति दिनों दिन दैयनीय होती जा रही है। यहां के खेल प्रेमियों ने विधायक के साथ-साथ कलेक्टर, मेयर, ननि अध्यक्ष एवं ननि आयुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया है।

मैदान में गड्ढों व रेत की भरमार, खिलाड़ी परेशान

एक दशक पूर्व राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न की जिले में चारों ओर तारीफ होती थी। मैदान में लगे हरी घास व उसकी चुस्ती-दूरूस्थ व्यवस्थाएं से अधिकांश खेल प्रेमी यहीं खेलने के लिए आतुर रहते थे, लेकिन धीरे-धीरे यह खेल मैदान कुप्रबंधन के चलते अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा है। खिलाड़ी बताते हैं कि हरी घांसे गायब है और मैदान में रेत तथा गड्ढों का भरमार है। जिसके चलते आये दिन खिलाड़ी भाग-दौड़ करते समय दुर्घटना ग्रस्त होकर उनके हाथ-पाव फैक्चर हो जा रहे हैं। इस तरह की घटनाएं कई बार कई खिलाड़ियों के साथ हो चुकी है। परंतु नगर निगम मैदान की व्यवस्था सुधारने के लिए जहमत नही उठा रहा है। इसके पीछे कारण क्या है, इसे तो नगर निगम के अधिकारी ही बता पाएंगे। लेकिन खेल मैदान की दुर्दशा देखकर ननि अधिकारियों को कोसने में कोई कोर कसर नही छोड़ रहे हैं।

इनका कहना :-

हम लोगों को खेलने में इतनी ज्यादा दिक्कत होती है कि धूल, रेत हर जगह है। घास कहीं नही है, लगभग 10 वर्ष से इसी तरह का मैदान बना हुआ है। इसे देखने वाला कोई भी नही है और हम लोगों को खेलते समय फिसलने से कई हाथ व पैर भी फैक्चर हो चुका है।

प्रेम मेहतर, खेल प्रेमी-बैढ़न

इनका कहना :-

खेलते समय कई तरह की दिक्कते आती हैं। धूल एवं बालू के कण आँख, नाक व मुँह में प्रदूषण बनकर घुसता रहता है और सिचाई होती है तो कहीं ज्यादा, कहीं कम पानी डाल दिया जाता है। कलेक्टर साहब से हम लोगों का आग्रह है कि ग्राउंड का जल्द सुधार कराया जाए।

नेंशी पाण्डेय, खेल प्रेमी-बैढ़न

सरई नगर परिषद में पुल निर्माण पर उठे सवाल

नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 11 का मामला, जांच की मांग

नवभारत न्यूज

सरई। सरई नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 11 में निर्माणाधीन पुल की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय नागरिकों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विकास कार्य में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे पुल की मजबूती पर आशंका गहराने लगी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में सरिया और सीमेंट की मात्रा कम रखी जा रही है, जबकि गिट्टी और रेत का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है। रेत की गुणवत्ता और स्रोत को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार पक्ष द्वारा रेत परिवहन को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। उनका कहना है कि मौके पर साफ-तौर पर नदी की रेत दिखाई दे रही है, जिससे निर्माण की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि सीएमओ स्वयं स्थल पर नहीं पहुंचे और भेजे गए इंजीनियर ने भी स्पष्ट जवाब देने से इंकार कर दिया।

एक नजर में

शासकीय भूमि पर कब्जा, बन रही झोपड़ी

सिंगरौली। जनपद पंचायत देवसर के ग्राम पंचायत आमों में सामुदायिक भवन परिसर स्थित भूमि जिसका खसरा क्रमांक 356/1 जोकि शासकीय प्रयोजन के लिए सुरक्षित रखी गई थी, लेकिन अब उक्त भूमि को हथियाने का षड्यंत्र चल रहा है और परिसर में महिने भर के अंदर कई कच्चे मकान तथा बास-बल्लियों की झोपड़िया बन रही है। बताया जाता है कि उक्त वेश कीमती जमीन पर गांव के ही कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण कर उस पर कब्जा किया जा रहा है। जिसे प्रशासन से तत्काल हटाए जाने की मांग की गई है।

महाविद्यालय में पीजी कक्षाओं का हो संचालन : प्रज्ञान

देवसर। देवसर यूथ कांग्रेस के युवा प्रज्ञान चतुर्वेदी ने शासकीय महाविद्यालय देवसर में सत्र 2026-27 से स्नातकोत्तर कक्षाओं के संचालन की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि देवसर क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी संसाधनों के अभाव में आगे की पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। प्रज्ञान चतुर्वेदी ने यह भी बताया कि इस महाविद्यालय में अधिकांश छात्राएं अध्ययनरत हैं।

युवाओं की सक्रियता ही कांग्रेस की सबसे बड़ी शक्ति है : घनघोरिया

युकां प्रदेशाध्यक्ष यश घनघोरिया पहुंचे देवसर

नवभारत न्यूज

देवसर 3 अप्रैल। म.प्र. युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान जिले के देवसर पहुंचे। यहाँ उन्होंने कांग्रेस के नवनियुक्त ग्रामीण महामंत्री धर्मेंद्र द्विवेदी के निज निवास सहुआर पहुंचकर स्थानीय कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान संगठन की मजबूती और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रदेश युकां अध्यक्ष एस घनघोरिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं की सक्रियता ही कांग्रेस की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक प्रभावशाली बनाने पर चर्चा कर जोर दिया और उन्होंने प्रदेश एवं केन्द्र सरकार को आड़े हाथो लेते हुये कहा कि प्रदेश का युवा वर्ग बेरोजगार है, उन्हें रोजगार तक नही मिल रहा है। मोहन सरकार खोखली बाते करती हैं। महंगाई चरम पर है। गैस एवं डीजल-पेट्रोल की किल्लत मची हुई है। इस दौरान युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह दादू के अलावा ज्ञानेंद्र द्विवेदी पूर्व जिलाध्यक्ष ग्रामीण कांग्रेस, प्रेम प्रकाश जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस, अशोक सिंह पैगाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, वरुण द्विवेदी सरपंच, निशा सिंह, सुखेंद्र साहू, संदीप द्विवेदी, शिवम द्विवेदी, प्रज्ञान चतुर्वेदी सहित अन्य मौजूद रहे।

उद्योगों में श्रमिक सुरक्षा जांच अब तक ठंडे बस्ते में, कार्रवाई गायब!

औद्योगिक दबाव में बैकफुट पर प्रशासन, जिले में तेज हुई चर्चाएं, श्रमिकों की शिकायतें अनसुनी, सुरक्षा मानकों पर अब भी सन्नाटा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 अप्रैल। जिले में संचालित कोयला आधारित पावर परियोजनाओं और अन्य बड़े औद्योगिक संस्थानों में श्रम कानूनों, श्रमिक सुरक्षा प्रावधानों तथा औद्योगिक सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर जिला प्रशासन की गंभीरता अब सवालों के घेरे में है। पिछले माह 16 मार्च को कलेक्टर द्वारा उपखण्ड सिंगरौली, माड़ा, देवसर एवं चितरंगी के लिए चार संयुक्त जांच दल गठित किए गए थे, लेकिन करीब एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी इन टीमों की कार्रवाई जमीन पर नजर नहीं आ रही है।

कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश थे कि संयुक्त जांच दल संबंधित औद्योगिक संस्थानों का भ्रमण करें, आवश्यकतानुसार शिविर आयोजित करें, श्रमिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं और शिकायतें दर्ज करें तथा सुरक्षा उपायों की मौके पर जांच करें। साथ ही 10 दिवस के भीतर विस्तृत तथ्यात्मक प्रतिवेदन भी मांगा गया था। लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इन निर्देशों का हुआ क्या, क्या टीमों ने किसी संस्थान का दौरा किया, यदि किया तो कब और कहां और यदि जांच हुई है तो उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। श्रमिकों और स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा तेज है कि अब तक केवल बंधौरा की एक औद्योगिक कंपनी में आनन-फानन में जांच कराई गई, वह भी महज खानापूर्ति तक सीमित रही। कई श्रमिकों ने आरोप लगाया है कि जांच के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई गई और वास्तविक समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया गया। सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, कार्यस्थल पर जोखिम, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और श्रम कानूनों के पालन जैसे अहम मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

क्या सिर्फ गुस्सा शांत करने के लिए गठित हुआ संयुक्त जांच दल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि चार-चार संयुक्त जांच दल गठित होने के बावजूद बाकी औद्योगिक कंपनियों में अब तक जांच क्यों नहीं हुई। यदि टीमों ने दौरा किया है तो उसकी जानकारी सार्वजनिक डोमेन में क्यों नहीं लाई गई। इससे यह आशंका और गहरी हो रही है कि जांच दल केवल लोगों का आक्रोश शांत करने के लिए गठित किया गया था। श्रमिकों का आरोप है कि प्रशासन ने दबाव में आकर केवल कागजी कार्रवाई की और वास्तविक निरीक्षण को ठंडे बस्ते में डाल दिया। चर्चाएं यहां तक हैं कि कई बड़े औद्योगिक संस्थानों के दबाव के चलते संयुक्त जांच दल बैकफुट पर है। यही वजह है कि पखवाड़ा बीतने के बाद भी न तो शिविरों की जानकारी सामने आई और न ही किसी विस्तृत रिपोर्ट का खुलासा हुआ। इससे श्रमिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। जिले की औद्योगिक इकाइयों में हजारों श्रमिक कार्यरत हैं और उनकी सुरक्षा से जुड़ा यह मामला बेहद गंभीर है।

अध्यापक संयुक्त मोर्चा 8 को रैली निकालकर देगा धरना

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 अप्रैल। आज शुक्रवार को मल्हार पार्क बैढ़न में अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा जिला इकाई सिंगरौली का गठन किया जाकर बैठक आयोजित की गई।

उक्त बैठक में शासन के अव्यावहारिक टेट परीक्षा निर्देश के विरोध और प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कराने के लिए 8 अप्रैल को जिले के समस्त शिक्षक साथी भाई-बहनों के साथ जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन और रैली के माध्यम से कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नामे ज्ञापन दिया जाएगा तथा 11 अप्रैल को ब्लॉक मुख्यालयों में जनप्रतिनिधियों एवं 18 को भोपाल में ज्ञापन सौपा जाएगा। उक्त बैठक में जिलास्तरीय विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदा-धिकारियों में महेंद्र द्विवेदी, सुमारू खैरवार, केके द्विवेदी, रमेश पांडेय, सुनीता सांवले, जयप्रकाश द्विवेदी, प्रमोद तिवारी, हितेंद्र सोनी, इंद्रेश शुक्ला सहित कई अन्य मौजूद रहे।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त दल का हुआ गठन, बैठक आयोजित

अव्यावहारिक टेट परीक्षा के विरोध में जिले के शिक्षक

बगदरा के कांग्रेसियों ने महंगाई के खिलाफ सौपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

चितरंगी 3 अप्रैल। कांग्रेस कमेटी बगदरा के ब्लॉक अध्यक्ष बगदरा डॉ. रमाशंकर सिंह के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम गैस सिलेंडर के मूल्य वृद्धि व अपर्याप्त उपलब्धता एवं बिजली बिल के दरों में वृद्धि, पेट्रोल-डीजल की कमी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जले ट्रांसफार्मर को बदलने समेत अन्य समस्याओं को लेकर तहसीलदार चितरंगी को उप तहसील कार्यालय बगदरा में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के दौरान जिला महामंत्री राम गोपाल सिंह, रामपति सिंह, अनिल गुर्जर, नर्वदा पटेल अन्य मौजूद रहे।

भक्तिमय रहा देवसर, पंचमुखी बजरंगबली के जन्मोत्सव पर उमड़ा जनसैलाब

अखंड रामचरितमानस पाठ के साथ पूरा हुआ 24 घंटे का अनुष्ठान, विशाल भंडारे में हजारों ने ग्रहण किया प्रसाद

नवभारत न्यूज

देवसर 3 अप्रैल। जपं देवसर में श्री पंचमुखी बजरंगबली का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और बेहद भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें देवसर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित 24 दिवसीय अखंड रामचरितमानस गायन मुख्य आकर्षण रहा। पिछले 24 घंटों से लगातार क्षेत्र के प्रसिद्ध गायकों और कीर्तन मंडलियों द्वारा रामचरित मानस की चौपाइयों का सुमधुर गायन किया गया। मंत्रमुग्ध कर देने वाले इस पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। भक्तों ने पूरी रात जागकर प्रभु की आराधना की। साथ ही जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सुबह से ही पंचमुखी हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया गया। पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक और विशेष आरती संपन्न हुई। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन्मोत्सव को भव्य रूप देने का प्रयास किया गया है। अनुष्ठान की पूर्णाहुति के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जपं अध्यक्ष प्रणव पाठक, जिपं सदस्य प्रतिनिधि घनश्याम पाठक, बजरंगबली के पुजारी आशुतोष गौतम, मोहन चौबे, अमित पाठक भारी संख्या में भक्तों पर मौजूद रहे।

जल का हर बूंद अनमोल, संरक्षण ही समाधान है : आरपी

नवभारत न्यूज

अनपरा 3 अप्रैल। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन, रेनुसागर द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए जल संरक्षण जागरूकता माह का समापन समारोह टीटीएमडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आदित्य बन्दना से हुआ तत्पश्चात दीपक शंकधर ने जल संरक्षण की सपथ दिलाई। मानव संसाधन विभाग प्रमुख आशीष पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य को अपना आचरण जल की तरह रखना चाहिए। जब राह चलना मुश्किल हो तो रास्ते हमको भी जल की तरह बदल लेना चाहिए। जल की तरह उर्जावान बनकर हम अपने जीवन में लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। इसी कड़ी में मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आरपी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि जल संकट से निपटने का एकमात्र उपाय संरक्षण है, इसलिये जल का हर बूंद अनमोल, संरक्षण ही समाधान है। समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर थाने में शिकायत

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 अप्रैल। सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और पोस्ट साझा किए जाने के मामले में मुस्लिम समाज ने कोतवाली बैढ़न में लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन सोशल मीडिया में मुस्लिम समाज के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ पोस्ट तथा रील साझा की गई। शिकायत पत्र में कहा गया है कि उक्त पोस्ट का उद्देश्य दो समुदायों के बीच वैमनस्य और तनाव फैलाना प्रतीत होता है।

ननि के वार्ड 38 से 41 तक राख का कहर, कई मोहल्लों में घुट रही सांसें

घरों में जमती है राख की परत, एनटीपीसी के फ्लाई ऐश डैम ने बलियरी के चार वार्डों को बनाया प्रदूषण जोन, प्रदूषण नियंत्रण अमला बेखबर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 अप्रैल। बैढ़न के तुलसी वार्ड बलियरी स्थित वार्ड क्रमांक 38 में एनटीपीसी विंध्याचल सुपर थर्मल पावर स्टेशन का विशाल फ्लाई ऐश डैम अब स्थानीय लोगों के लिए गंभीर संकट बन चुका है। करीब 500 एकड़ में फैले इस राख डैम से उड़ने वाली फ्लाई ऐश अब केवल वार्ड 38 तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर नजदीकी वार्ड 39, 40 और 41 तक साफ दिखाई देने लगा है। इन वार्डों में रहने वाले लोग भी लगातार राख, धूल और प्रदूषण की मार झेल रहे हैं।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि जरा सी हवा चलते ही राख का गुबार कई किलोमीटर दूर तक फैल जाता है। उड़ती राख घरों की छतों, आंगनों, कमरों और सड़कों पर जम रही है। यही हाल वार्ड 39, 40 और 41 का भी है, जहां लोगों को दरवाजे-खिड़कियां बंद रखने के बावजूद राहत नहीं मिल रही। एनटीपीसी प्रबंधन लगातार यह दावा करता है कि फ्लाई ऐश डैम में अत्याधुनिक स्प्रिंकल सिस्टम लगा है और राख उड़ने की कोई संभावना नहीं है, लेकिन जमीनी तस्वीरें इन दावों को झूठा साबित कर रही हैं। हवा में दूर-दूर तक तैरती राख और धूल के गुब्बारें साफ बता रहे हैं कि राख प्रबंधन में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। चारों वार्डों के लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन, त्वचा रोग, खांसी और फेफड़ों की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। बच्चों और बुजुर्गों की हालत सबसे ज्यादा चिंताजनक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई परिवारों में लगातार लोग बीमार पड़ रहे हैं।

शिकायतों के बाद जिला प्रशासन एवं प्रदूषण अमला मौन

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायतें जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग और एनटीपीसी प्रबंधन तक पहुंचाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार बढ़ते प्रदूषण स्तर के बावजूद संबंधित अधिकारी कार्यालयों से बाहर निकलकर जमीनी स्थिति देखने तक नहीं पहुंच रहे हैं। लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि देश के सबसे बड़े सुपर थर्मल पावर स्टेशनों में शामिल एनटीपीसी विंध्याचल के कारण चार वार्डों के हजारों परिवार प्रदूषण की मार झेलने को मजबूर हैं। यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो बलियरी और आसपास के वार्ड 39, 40 और 41 पूरी तरह राख की चादर में ढंक सकते हैं।